

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया एलुमनाई अफेयर्स ने किया मदर्स डे समारोह आयोजित; पूर्व छात्रों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 13 मई, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) के एलुमनाई अफेयर्स कार्यालय ने 10 मई, 2026 को विश्वविद्यालय के 'मीर तकी मीर हॉल' में एक मदर्स डे कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मातृत्व को करुणा, त्याग, देखभाल और भावनात्मक दृढ़ता के एक शाश्वत प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित करना और उस पर चिंतन करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. जावेद हसन द्वारा कुरान की भावपूर्ण तिलावत (पाठ) से हुई। डॉ. हसन ने ही पूरी गरिमा के साथ कार्यक्रम का संचालन भी किया, जिससे पूरे आयोजन के दौरान चिंतन और जुड़ाव का माहौल बना रहा।

अपने स्वागत भाषण में, एलुमनाई अफेयर्स के डीन, प्रो. आसिफ़ हुसैन ने जामिया के माननीय कुलपति, प्रो. मज़हर आसिफ़ और रजिस्ट्रार, प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी को उनके निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मातृत्व ही वह नैतिक और भावनात्मक आधार है, जिस पर समाज का पोषण और अस्तित्व टिका होता है। उन्होंने सफ़ा और मरवा की इस्लामी गाथा का स्मरण किया और हज़रत हाजरा के व्यक्तित्व को मातृ-आस्था और दृढ़ता के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम की शोभा मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ज़ेबा नाज़ ने बढ़ाई। उन्होंने परिवारों और समुदायों के भीतर सामाजिक चेतना, नैतिक मूल्यों और भावनात्मक दृढ़ता को आकार देने में माताओं की भूमिका पर एक विचारोत्तेजक और अत्यंत प्रभावशाली भाषण दिया। अपने स्वयं के अनुभवों और व्यक्तिगत जीवन-यात्रा का ज़िक्र करते हुए, डॉ. नाज़ ने सामाजिक और भौतिक चुनौतियों के बावजूद, अपने भीतर दृढ़ता, आत्मविश्वास और बौद्धिक विकास को पोषित करने में अपनी माँ के शांत, किंतु परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने एलुमनाई अफेयर्स कार्यालय की भी सराहना की, जिसने एक ऐसे कार्यक्रम की परिकल्पना की, जिसमें सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के साथ-साथ सार्थक बौद्धिक और सामाजिक चिंतन का भी सुंदर मेल था।

इस समारोह में साहित्यिक और संगीतमय प्रस्तुतियों के साथ-साथ माताओं (जो जामिया की पूर्व छात्राएँ हैं) के सम्मान का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। अज़रा एजाज़ ने माताओं को समर्पित एक हृदयस्पर्शी नज़्म (कविता) प्रस्तुत की, जबकि तबस्सुम हाशमी के संगीतमय प्रदर्शन की दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहना की। डॉ. रखशंदा रूही मेहदी की अफ़साना, जिसका शीर्षक 'हैप्पी मदर्स डे' था, में माँ के स्नेह, यादों और भावनात्मक जुड़ाव का एक मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन देते हुए, डॉ. अमीना हुसैन ने धार्मिक और सांस्कृतिक, दोनों ही परंपराओं में मातृत्व के शाश्वत महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का समापन 'हाई टी' के साथ हुआ, जिसमें संकाय सदस्य, पूर्व छात्र, विद्यार्थी और आमंत्रित अतिथि शामिल हुए; इसने सभी को आपस में बातचीत करने, चिंतन करने और सामुदायिक जुड़ाव का अवसर प्रदान किया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी